पत्रांकः– 89/19
14-01-19

प्रेषकः–

प्राचार्य,
श्री कृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय,
मुजफ्फरपुर ।

सेवा में,

सभी विभागाध्यक्ष,
श्री कृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय,
मुजफ्फरपुर ।

विषयः Facial Biometric द्वारा शत–प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने के संबंध में ।
प्रसंगः दिनांक – 13.01.19 को दैनिक समाचार पत्र प्रभात खबर में छपे खबर ।

महाशय,

उपरोक्त विषयक प्रासंगिक पत्र की छाया प्रति संलग्न करते हुए सूचित करना है कि प्रकाशित खबर पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए आप सभी पदाधिकारियों से अनुरोध है कि स्वयं सहित अपने अधीनस्थ कार्यरत सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को शत – प्रतिशत उपस्थिति (Through Facial Biometric Machine) हेतु अपने स्तर से सख्त निदेशित किया जाए, जिससे छात्रहित/मरीजहित संबंधी कार्य प्रभावित न हो । इसके लिए विभागाध्यक्षों के मॉग पर लगभग सभी विभागों में Facial Biometric की आपूर्ति की जा चुकी है, जिसका पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए ।

साथ ही जिस विभाग में वर्तमान तक Facial Biometric की आपूर्ति नही हो सकी है, कृपया संबंधित विभागाध्यक्ष यथाशीघ्र अपना मॉग पत्र अधोहस्ताक्षरी को समर्पित करें, ताकि अग्रतर कार्रवाई की जा सके ।

विश्वासभाजन
14/1/19.
प्राचार्य
श्री कृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय
मुजफ्फरपुर

**पत्रांकः–**

प्रेषकः–

प्राचार्य,
श्री कृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय,
मुजफ्फरपुर ।

सेवा में,

सभी विभागाध्यक्ष,
श्री कृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय,
मुजफ्फरपुर ।

विषयः Facial Biometric द्वारा शत–प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने के संबंध में ।
प्रसंगः दिनांक – 13.01.19 को दैनिक समाचार पत्र प्रभात खबर में छपे खबर ।

महाशय,

उपरोक्त विषयक प्रासंगिक पत्र की छाया प्रति संलग्न करते हुए सूचित करना है कि प्रकाशित खबर पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए आप सभी पदाधिकारियों से अनुरोध है कि स्वयं सहित अपने अधीनस्थ कार्यरत सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को शत – प्रतिशत उपस्थिति (Through Facial Biometric Machine) हेतु अपने स्तर से सख्त निदेशित किया जाए, जिससे छात्रहित/मरीजहित संबंधी कार्य प्रभावित न हो । इसके लिए विभागाध्यक्षों के मॉग पर लगभग सभी विभागों में Facial Biometric की आपूर्ति की जा चुकी है, जिसका पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए ।

साथ ही जिस विभाग में वर्तमान तक Facial Biometric की आपूर्ति नही हो सकी है, कृपया संबंधित विभागाध्यक्ष यथाशीघ्र अपना मॉग पत्र अधोहस्ताक्षरी को समर्पित करें, ताकि अग्रतर कार्रवाई की जा सके ।

विश्वासभाजन

प्राचार्य
श्री कृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय
मुजफ्फरपुर

ज्ञापकः– 89/19 दिनांकः– 14-01-19

प्रतिलिपिः–

1. प्रधान सचिव, स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार, पटना को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।
2. अधीक्षक, श्री कृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, मुजफ्फरपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।
3. सभी चिकित्सक/शिक्षक, सभी विभाग, श्री कृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।
4. Estate Officer/OSD, श्री कृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर को सूचनार्थ प्रेषित ।
5. आई0टी0 सेक्शन को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड हेतु सूचनार्थ ।

14/1/19.

प्राचार्य
श्री कृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय
मुजफ्फरपुर

## क्या आपकी कफन में जेब है डॉक्टर साहब

# दो लाख तक वेतन लेकिन दो घंटे भी नहीं देते अस्पताल को

प्रभात खबर
खास

आनंद तिवारी ▷ पटना

**कहते** हैं कफन में जेब नहीं होती. लेकिन, डॉक्टर साहब क्या आपकी कफन में जेब है? 1.60 लाख से दो लाख रुपये महीना तक वेतन उठाते हैं, लेकिन जिस अस्पताल में नौकरी है, उसको ढाई घंटे भी नहीं दे पाते. सूबे के सबसे बड़े अस्पताल पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) इसका उदाहरण है, जहां किसी दिन औचक जांच हो तो अधिकतर सीनियर डॉक्टर गायब मिलेंगे. कारण वही सर्वविदित. निजी अस्पतालों के प्रति निष्ठा. लेकिन, क्या आपकी इस निष्ठा के लायक वे मरीज नहीं हैं, जो सुदूर जिलों से बड़ी उम्मीदें लेकर सरकारी अस्पताल तक पहुंच जाते हैं.

**हाजिरी बनायी, फिर दूसरी गाड़ी से निकल लिये :** डॉक्टर साहब, पिछले दिनों पीएमसीएच में आपकी दिनचर्या को समझने का मौका मिला. पाया कि कई सीनियर (डॉक्टर) अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचे, हाजिरी बनायी, फिर अपनी गाड़ी परिसर में ही

● बाकी पेज 21 पर

## हाजिरी बनायी, फिर दूसरी गाड़ी से निकल लिये

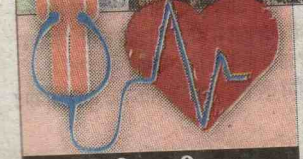

### छह दिन से डीएमसीएच था ठप

डीएमसीएच, दरभंगा में भी परीक्षा केंद्र बदलने की मांग को लेकर छह दिनों से इलाज ठप थी. इस दौरान सात मरीज की मौत भी हो गयी. हालांकि शनिवार को जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल समाप्त करने की घोषणा कर दी.

- सीनियर डॉक्टर समय दें तो 50% समस्याएं हो जायेंगी दूर
- जूनियर डॉक्टरों के सहारे चलता है कामकाज

### एसकेएमसीएच के छात्रों ने ठप करायी इमरजेंसी

एमबीबीएस फाइनल इयर के छात्रों ने परीक्षा केंद्र नहीं बदले जाने पर देर शाम एसकेएमसीएच की इमरजेंसी सेवा ठप करा दी. रजिस्ट्रेशन बंद होने से इलाज के लिए पहुंचे कई मरीज वापस लौट गये. हालांकि एक घंटे बाद ही अधीक्षक के कहने पर छात्र मान गये.

देखें पेज पांच

### हाल पीएमसीएच का

| | |
|---|---|
| कुल विभाग | 30 |
| हेड ऑफ डिपार्टमेंट | 30 |
| प्रोफेसर | 60 |
| जूनियर डॉक्टर व सीनियर रेजीडेंट | 600 |
| सीनियर डॉक्टर | 315 कुल टीचर |
| रोजाना मरीज | 2100 से 2400 |
| इमरजेंसी में बेड | 225 |
| बेडों की कुल संख्या | 2000 |

नोट : इनमें कुछ आंकड़ों में आंशिक अंतर हो सकता है

> जूनियर डॉक्टरों की बदौलत ही पीएमसीएच चल रहा है. कुछ तो सीनियर डॉक्टर ठीक हैं, पर कुछ ऐसे भी हैं, जो हमलोगों को ऑर्डर देकर चले जाते हैं. अगर जूनियर के साथ-साथ सीनियर भी पूरा समय अस्पताल में दें तो मरीज व जूनियर डॉक्टरों के बीच विवाद नहीं होगा व इलाज अच्छी तरह से होगा.
>
> **डॉ शंकर भारतीय,** अध्यक्ष, जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन, पीएमसीएच.

> तय ड्यूटी अवधि में सभी प्रोफेसर, डॉक्टर व कर्मियों को रहना अनिवार्य है, ताकि पढ़ाई व इलाज दोनों सही रूप से संचालित हो. चूंकि अभी हाल ही में मैंने पदभार ग्रहण किया है, इसलिए कुछ अधिक नहीं बता सकता हूं. लेकिन जल्द ही पीएमसीएच की सभी व्यवस्थाएं ठीक हो जायेंगी.
>
> **डॉ रामजी प्रसाद सिंह,** प्रिंसिपल, पीएमसीएच.